Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 50011310 **Date:** 19/04/2020 **Validity :** 1 Months Only

नाम: Vidya Bajpai	**जन्म तिथि:** 02/06/1978	**जन्म समय:** 09:30 AM
जन्म स्थान: Kanpur (UP)	**मांगलिक योग:** NO	**इष्ट देव:** Hanuman ji

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Chandra	25%	Shukra	100%
2.	Mangal	0%	Guru	100%
3.			Budh	25%
4.			Surya	100%
5.			Shani	30%
6.			Rahu (d)	70%
			Ketu (d)	70%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, Immediate मूँगा तथा मोती धारण करें।

3. कुण्डली दोष: अंगारक योग, सूर्य ग्रहण योग

4. शुभ दिन: Monday, Tuesday.

5. शुभ रंग: लाल, सफेद अशुभ: पीला, भूरा, काला, नीला

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मूँगा	9+	Right	Ring	सोने, पीतल में मंगलवार को शुक्लपक्ष में धारण करें। (8:15 AM)
2. मोती	10+	Right	Little	चाँदी में सोमवार को शुक्लपक्ष में धारण करें (8:15 AM)
3.				

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

पुखराज, ओपल, हीरा, जरकन, पन्ना, मार्गज, नीलम, गोमेद, लहसुनिया आदि।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी:** (मित्र/शत्रु) गुरु : गुरु के दान व उपाय अवश्य करें।
केले के पेड़ की पूजा करें। तथा जल दें।
रोग, कर्जा, शत्रु, depression आदि दूर होंगे।

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

Scanned with CamScanner

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग , नपुंसकता।
शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन , वहम।
केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : गुरु, शुक्र, शनिदेव, राहु, केतु के उपाय व दान करने से रोग कम होंगे।

Comments:

Job में परेशानीकारक ग्रह हैं। → गुरु तथा शुक्र देव
गुरु तथा शुक्र देव के दान व उपाय अवश्य करें नियमित रूप से।

गुरु के उपाय हर बृहस्पतिवार को करें।

शुक्र के उपाय व दान हर शुक्रवार को करें।

हर शनिवार को राहु तथा शनि का दान करें। Report से देखकर follow करें दान।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

मंगल की महादशा : 27/12/2017 to 27/12/2024
Average (0%) (Not good)

→ मूँगा अवश्य धारण करें। 9+ Ratti वाला समय ठीक होगा।

मंगल / गुरु :- 14/06/2019 to 19/05/2020 — बहुत खराब समय (100%)

Job में परेशानी रहेगी। Job ना लगने का योग

→ गुरु के दान व उपाय अवश्य करें हर बृहस्पतिवार को। आगे report से देखकर follow करें।

मंगल / गुरु / राहु : 30/03/20 to 19/05/20 : (200% खराब समय)

→ गुरु तथा राहु के उपाय व दान करना है।

मंगल / शनि :- 20/05/20 to 28/06/21 : खराब समय (30%)

शनि देव के उपाय करना है।

[23/07/20 to 17/09/20 : शनि तथा बुध के दान करना है। तथा साथ में गुरु के उपाय करना है।]

08/01/2021 to 09/02/21 :- [Job के लिए अनुकूल समय]

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

समस्याऐं काफी हैं। काफी संघर्ष है जीवन में।
धन ना आने का योग बना हुआ है।

* गुरु, राहु, शनि देव, सूर्य, बुध के दान व उपाय regular 6 Months तक करें तभी Job लग सकती है।

मूँगा तथा मोती धारण करें (immediate)

गुरु का दान Thursday को होगा।

शनि तथा राहु के सूर्यास्त के बाद शाम को हर शनिवार तथा अमावस्या को करना है।

सूर्य देव को रोजाना जल दें। गेहूं का दान व शक्कर चीटियों को डालें।

शुक्र के उपाय व दान हर शुक्रवार को करें।

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नम:)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नम:)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नम: अथवा ऊँ अं अंगारकाय नम:)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो।** **कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नम:)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6 ।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011310 Date: 19/04/2020

Vidya Bajpai

02 Jun 1978 09:30 AM

Kanpur

Vidya Bajpai

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011310 Date: 19/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **02/06/1978**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **09:30:00 ांटे**
इष्ट	: 10:34:54 घटी
स्थान	: **Kanpur**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 26:27:00 उत्तर
रेखांश	: 80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 09:21:16 घंटे
वेलान्तर	: 00:02:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 02:02:22 घंटे
सूर्योदय	: 05:16:02 घंटे
सूर्यास्त	: 18:57:26 घंटे
दिनमान	: 13:41:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 17:43:01 वृष
लग्न के अंश	: 14:07:21 कर्क

चैत्रादि संवत / शक	: 2035 / 1900
मास	: ज्येष्ठ
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 12
तिथि समाप्ति काल	: 20:13:32
जन्म तिथि	: 12
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: अश्विनी
नक्षत्र समाप्ति काल	: 22:30:16 घंटे
जन्म नक्षत्र	: अश्विनी
सूर्योदय कालीन योग	: सौभाग्य
योग समाप्ति काल	: 07:52:55 घंटे
जन्म योग	: शोभन
सूर्योदय कालीन करण	: कौलव
करण समाप्ति काल	: 07:49:23 घंटे
जन्म करण	: तैतिल
भयात	: 30:57:52
भभोग	: 63:28:31
भोग्य दशा काल	: केतु 3 वर्ष 6 मा 25 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कर्क – चन्द्र
राशि–स्वामी	: **मेष – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **अश्विनी – 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: शोभन
करण	: तैतिल
गण	: देव
योनि	: अश्व
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: सिंह
युँजा	: पूर्व
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: चे–चेतन
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन

ात चक्र	
मास	: कार्तिक
तिथि	: 1-6-11
दिन	: रविवार
नक्षत्र	: मघा
योग	: विष्कुम्भ
करण	: बव
प्रहर	: 1
वर्ग	: मृग
लग्न	: मेष
सूर्य	: कर्क
चन्द्र	: मेष
मंगल	: सिंह
बुध	: वृष
गुरु	: कन्या
शुक्र	: तुला
शनि	: मिथुन
राहु	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	14:07:21	310:43:14	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	———
सूर्य			वृष	17:43:01	00:57:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	06:31:52	12:36:15	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	00:02:19	00:31:29	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध			वृष	03:33:09	01:55:57	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	15:48:33	00:12:43	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	19:43:08	01:11:36	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
शनि			सिंह	01:19:00	00:03:46	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	10:09:33	00:04:06	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	10:09:33	00:04:06	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		तुला	19:43:00	00:02:08	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	———
नेप	व		वृश्चि	23:33:04	00:01:37	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	———
प्लूटो	व		कन्या	20:28:34	00:00:43	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	———
दशम भाव			मेष	09:14:24	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:20

लग्न–चलित

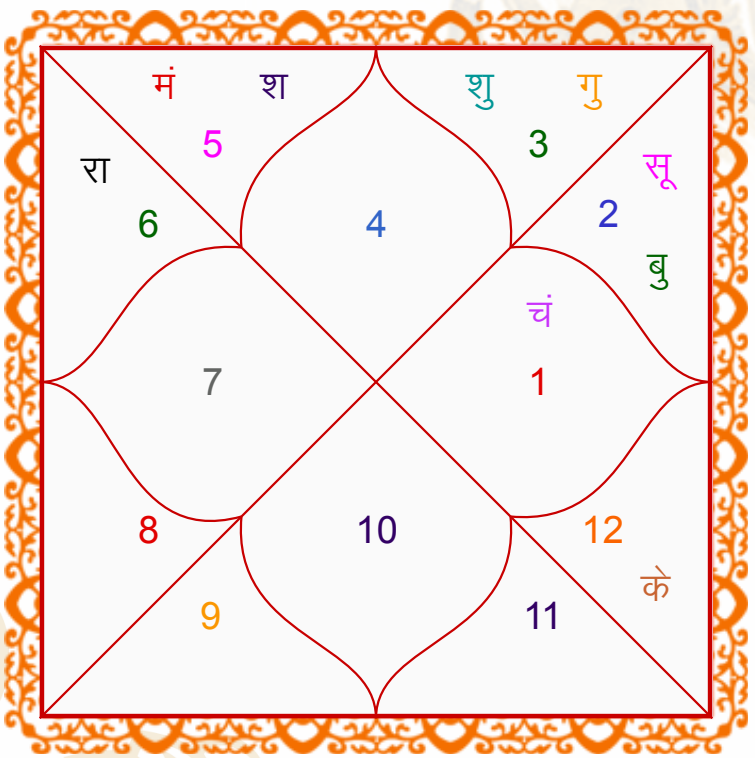

चन्द्र कुंडली

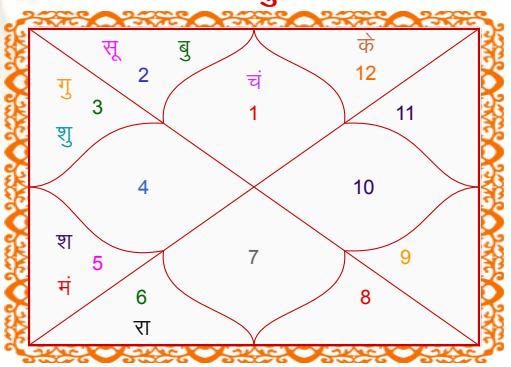

नवमांश कुंडली

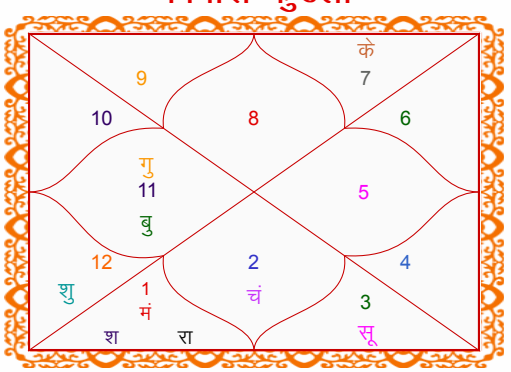

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	47	51	1	16	54	32	34
सप्तवर्गज बल	113	86	173	135	114	139	41
ओजयुग्मक बल	15	15	30	15	30	15	30
केन्द्र बल	30	60	30	30	15	15	30
द्रेष्काण बल	0	0	15	0	0	0	0
कुल स्थान बल	205	212	248	196	213	201	135
कुल दिग्बल	47	1	23	36	51	23	6
नतोन्नत बल	47	13	13	60	47	47	13
पक्ष बल	46	93	46	46	14	14	46
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	0	30
वार बल	0	0	0	0	0	45	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	117	15	48	55	60	59	13
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	225	121	107	221	240	165	102
कुल चेष्टाबल	0	0	31	6	10	22	25
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-16	-11	-22	-18	-8	-9	-23
कुल षट्बल	521	375	404	468	540	445	253
रूप षट्बल	8.7	6.2	6.7	7.8	9.0	7.4	4.2
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.7	1.0	1.3	1.1	1.4	1.3	0.8
संबंधित पद	1	6	4	5	2	3	7

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	50.49	26.51	4.57	10.02	22.87	26.95	28.77
कष्ट फल	8.86	20.21	41.62	48.55	17.93	32.20	30.51

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	375	521	468	445	404	540	253	253	540	404	445	468
भावदिग्बल	30	20	40	30	40	10	30	10	10	60	50	50
भावदृष्टि बल	12	41	59	14	48	78	58	19	28	-8	-17	-1
कुल भाव बल	417	582	567	489	491	628	342	282	578	456	479	517
रूप भाव बल	6.9	9.7	9.4	8.2	8.2	10.5	5.7	4.7	9.6	7.6	8.0	8.6
संबंधित पद	10	2	4	7	6	1	11	12	3	9	8	5

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

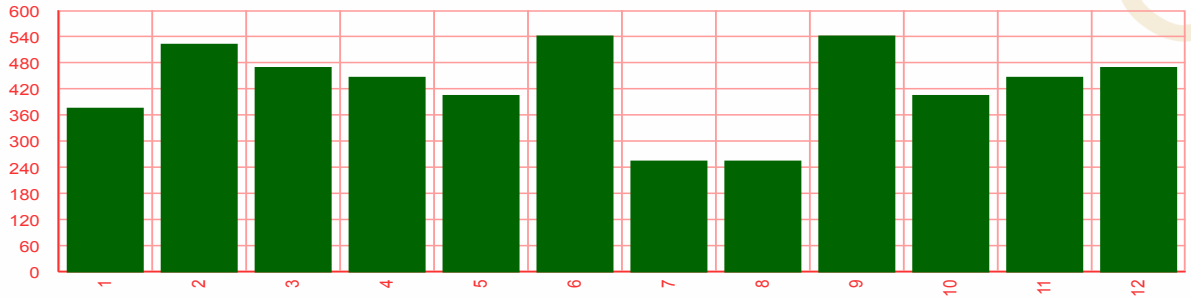

भावदिग्बल

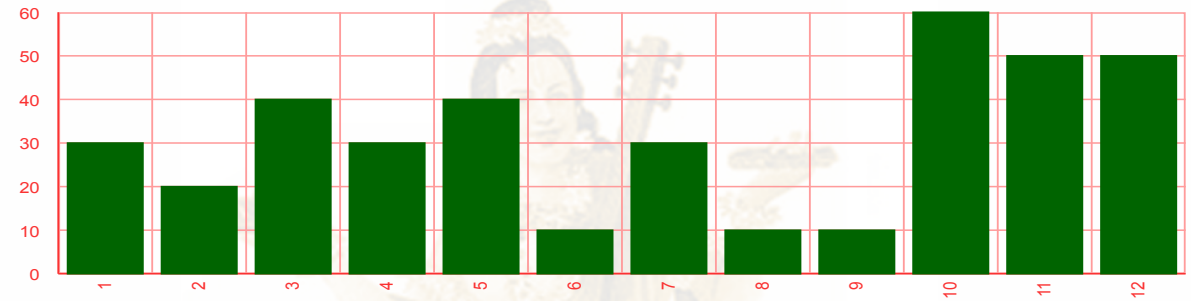

भावदृष्टि बल

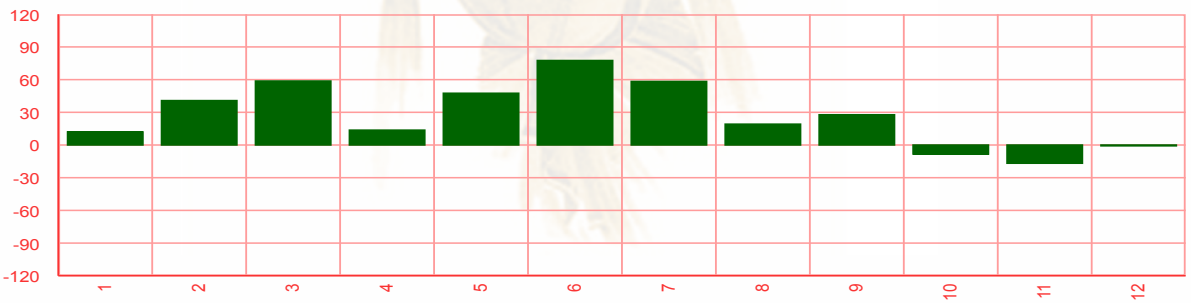

भाव बल

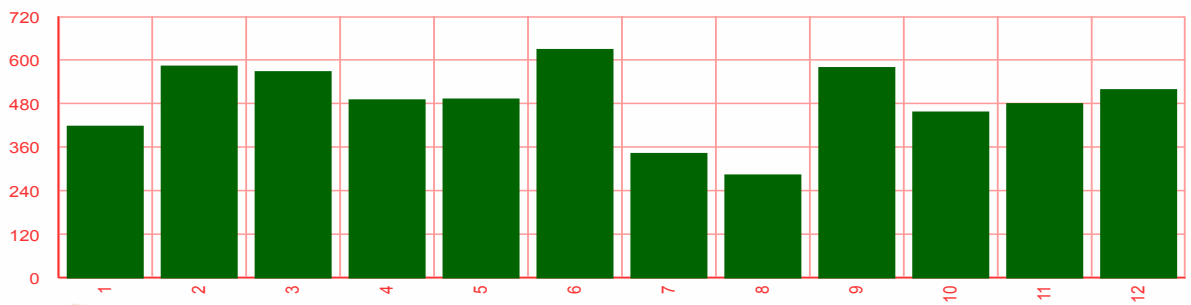

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष	
02/06/1978	
27/12/1981	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	02/06/1978
राहु	15/12/1978
गुरु	21/11/1979
शनि	30/12/1980
बुध	27/12/1981

शुक्र 20 वर्ष	
27/12/1981	
27/12/2001	
शुक्र	28/04/1985
सूर्य	28/04/1986
चंद्र	28/12/1987
मंगल	26/02/1989
राहु	27/02/1992
गुरु	28/10/1994
शनि	27/12/1997
बुध	27/10/2000
केतु	27/12/2001

सूर्य 6 वर्ष	
27/12/2001	
28/12/2007	
सूर्य	16/04/2002
चंद्र	15/10/2002
मंगल	20/02/2003
राहु	15/01/2004
गुरु	02/11/2004
शनि	15/10/2005
बुध	22/08/2006
केतु	28/12/2006
शुक्र	28/12/2007

चंद्र 10 वर्ष	
28/12/2007	
27/12/2017	
चंद्र	27/10/2008
मंगल	28/05/2009
राहु	27/11/2010
गुरु	28/03/2012
शनि	27/10/2013
बुध	29/03/2015
केतु	28/10/2015
शुक्र	28/06/2017
सूर्य	27/12/2017

मंगल 7 वर्ष	
27/12/2017	
27/12/2024	
मंगल	25/05/2018
राहु	13/06/2019
गुरु	19/05/2020
शनि	28/06/2021
बुध	25/06/2022
केतु	21/11/2022
शुक्र	21/01/2024
सूर्य	28/05/2024
चंद्र	27/12/2024

राहु 18 वर्ष	
27/12/2024	
28/12/2042	
राहु	09/09/2027
गुरु	02/02/2030
शनि	09/12/2032
बुध	28/06/2035
केतु	16/07/2036
शुक्र	16/07/2039
सूर्य	09/06/2040
चंद्र	09/12/2041
मंगल	28/12/2042

गुरु 16 वर्ष	
28/12/2042	
28/12/2058	
गुरु	14/02/2045
शनि	28/08/2047
बुध	03/12/2049
केतु	09/11/2050
शुक्र	10/07/2053
सूर्य	28/04/2054
चंद्र	28/08/2055
मंगल	03/08/2056
राहु	28/12/2058

शनि 19 वर्ष	
28/12/2058	
27/12/2077	
शनि	30/12/2061
बुध	08/09/2064
केतु	18/10/2065
शुक्र	18/12/2068
सूर्य	30/11/2069
चंद्र	01/07/2071
मंगल	09/08/2072
राहु	16/06/2075
गुरु	27/12/2077

बुध 17 वर्ष	
27/12/2077	
28/12/2094	
बुध	25/05/2080
केतु	22/05/2081
शुक्र	22/03/2084
सूर्य	26/01/2085
चंद्र	28/06/2086
मंगल	25/06/2087
राहु	11/01/2090
गुरु	18/04/2092
शनि	28/12/2094

केतु 7 वर्ष	
28/12/2094	
00/00/0000	
केतु	26/05/2095
शुक्र	25/07/2096
सूर्य	30/11/2096
चंद्र	01/07/2097
मंगल	27/11/2097
राहु	02/06/2098
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - गुरु	
13/06/2019	
19/05/2020	
गुरु	28/07/2019
शनि	20/09/2019
बुध	08/11/2019
केतु	28/11/2019
शुक्र	23/01/2020
सूर्य	09/02/2020
चंद्र	09/03/2020
मंगल	29/03/2020
राहु	19/05/2020

मंगल - शनि	
19/05/2020	
28/06/2021	
शनि	22/07/2020
बुध	17/09/2020
केतु	11/10/2020
शुक्र	17/12/2020
सूर्य	07/01/2021
चंद्र	09/02/2021
मंगल	05/03/2021
राहु	05/05/2021
गुरु	28/06/2021

मंगल - बुध	
28/06/2021	
25/06/2022	
बुध	18/08/2021
केतु	08/09/2021
शुक्र	07/11/2021
सूर्य	26/11/2021
चंद्र	26/12/2021
मंगल	16/01/2022
राहु	11/03/2022
गुरु	29/04/2022
शनि	25/06/2022

मंगल - केतु	
25/06/2022	
21/11/2022	
केतु	04/07/2022
शुक्र	28/07/2022
सूर्य	05/08/2022
चंद्र	17/08/2022
मंगल	26/08/2022
राहु	17/09/2022
गुरु	07/10/2022
शनि	31/10/2022
बुध	21/11/2022

मंगल - शुक्र	
21/11/2022	
21/01/2024	
शुक्र	31/01/2023
सूर्य	21/02/2023
चंद्र	29/03/2023
मंगल	23/04/2023
राहु	26/06/2023
गुरु	21/08/2023
शनि	28/10/2023
बुध	27/12/2023
केतु	21/01/2024

मंगल - सूर्य	
21/01/2024	
28/05/2024	
सूर्य	28/01/2024
चंद्र	07/02/2024
मंगल	15/02/2024
राहु	05/03/2024
गुरु	22/03/2024
शनि	11/04/2024
बुध	29/04/2024
केतु	07/05/2024
शुक्र	28/05/2024

मंगल - चंद्र	
28/05/2024	
27/12/2024	
चंद्र	15/06/2024
मंगल	27/06/2024
राहु	29/07/2024
गुरु	27/08/2024
शनि	29/09/2024
बुध	29/10/2024
केतु	11/11/2024
शुक्र	16/12/2024
सूर्य	27/12/2024

राहु - राहु	
27/12/2024	
09/09/2027	
राहु	24/05/2025
गुरु	02/10/2025
शनि	08/03/2026
बुध	25/07/2026
केतु	21/09/2026
शुक्र	04/03/2027
सूर्य	22/04/2027
चंद्र	14/07/2027
मंगल	09/09/2027

राहु - गुरु	
09/09/2027	
02/02/2030	
गुरु	04/01/2028
शनि	22/05/2028
बुध	23/09/2028
केतु	13/11/2028
शुक्र	08/04/2029
सूर्य	22/05/2029
चंद्र	03/08/2029
मंगल	23/09/2029
राहु	02/02/2030

राहु - शनि	
02/02/2030	
09/12/2032	
शनि	17/07/2030
बुध	11/12/2030
केतु	10/02/2031
शुक्र	02/08/2031
सूर्य	23/09/2031
चंद्र	19/12/2031
मंगल	18/02/2032
राहु	23/07/2032
गुरु	09/12/2032

राहु - बुध	
09/12/2032	
28/06/2035	
बुध	20/04/2033
केतु	13/06/2033
शुक्र	15/11/2033
सूर्य	01/01/2034
चंद्र	19/03/2034
मंगल	13/05/2034
राहु	29/09/2034
गुरु	01/02/2035
शनि	28/06/2035

राहु - केतु	
28/06/2035	
16/07/2036	
केतु	21/07/2035
शुक्र	22/09/2035
सूर्य	12/10/2035
चंद्र	13/11/2035
मंगल	05/12/2035
राहु	31/01/2036
गुरु	23/03/2036
शनि	22/05/2036
बुध	16/07/2036

राहु - शुक्र	
16/07/2036	
16/07/2039	
शुक्र	14/01/2037
सूर्य	10/03/2037
चंद्र	09/06/2037
मंगल	12/08/2037
राहु	24/01/2038
गुरु	19/06/2038
शनि	09/12/2038
बुध	13/05/2039
केतु	16/07/2039

राहु - सूर्य	
16/07/2039	
09/06/2040	
सूर्य	02/08/2039
चंद्र	29/08/2039
मंगल	17/09/2039
राहु	06/11/2039
गुरु	20/12/2039
शनि	10/02/2040
बुध	27/03/2040
केतु	15/04/2040
शुक्र	09/06/2040

राहु - चंद्र	
09/06/2040	
09/12/2041	
चंद्र	25/07/2040
मंगल	26/08/2040
राहु	16/11/2040
गुरु	28/01/2041
शनि	25/04/2041
बुध	11/07/2041
केतु	12/08/2041
शुक्र	12/11/2041
सूर्य	09/12/2041

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - मंगल	
09/12/2041	
28/12/2042	
मंगल	31/12/2041
राहु	27/02/2042
गुरु	19/04/2042
शनि	19/06/2042
बुध	12/08/2042
केतु	03/09/2042
शुक्र	06/11/2042
सूर्य	26/11/2042
चंद्र	28/12/2042

गुरु - गुरु	
28/12/2042	
14/02/2045	
गुरु	10/04/2043
शनि	12/08/2043
बुध	30/11/2043
केतु	15/01/2044
शुक्र	23/05/2044
सूर्य	01/07/2044
चंद्र	04/09/2044
मंगल	20/10/2044
राहु	14/02/2045

गुरु - शनि	
14/02/2045	
28/08/2047	
शनि	10/07/2045
बुध	18/11/2045
केतु	11/01/2046
शुक्र	15/06/2046
सूर्य	31/07/2046
चंद्र	16/10/2046
मंगल	09/12/2046
राहु	27/04/2047
गुरु	28/08/2047

गुरु - बुध	
28/08/2047	
03/12/2049	
बुध	23/12/2047
केतु	10/02/2048
शुक्र	27/06/2048
सूर्य	07/08/2048
चंद्र	15/10/2048
मंगल	02/12/2048
राहु	05/04/2049
गुरु	25/07/2049
शनि	03/12/2049

गुरु - केतु	
03/12/2049	
09/11/2050	
केतु	23/12/2049
शुक्र	18/02/2050
सूर्य	07/03/2050
चंद्र	04/04/2050
मंगल	24/04/2050
राहु	14/06/2050
गुरु	30/07/2050
शनि	22/09/2050
बुध	09/11/2050

गुरु - शुक्र	
09/11/2050	
10/07/2053	
शुक्र	20/04/2051
सूर्य	08/06/2051
चंद्र	28/08/2051
मंगल	24/10/2051
राहु	18/03/2052
गुरु	26/07/2052
शनि	27/12/2052
बुध	14/05/2053
केतु	10/07/2053

गुरु - सूर्य	
10/07/2053	
28/04/2054	
सूर्य	24/07/2053
चंद्र	18/08/2053
मंगल	04/09/2053
राहु	18/10/2053
गुरु	26/11/2053
शनि	11/01/2054
बुध	21/02/2054
केतु	10/03/2054
शुक्र	28/04/2054

गुरु - चंद्र	
28/04/2054	
28/08/2055	
चंद्र	08/06/2054
मंगल	06/07/2054
राहु	17/09/2054
गुरु	21/11/2054
शनि	06/02/2055
बुध	16/04/2055
केतु	15/05/2055
शुक्र	04/08/2055
सूर्य	28/08/2055

गुरु - मंगल	
28/08/2055	
03/08/2056	
मंगल	17/09/2055
राहु	07/11/2055
गुरु	22/12/2055
शनि	14/02/2056
बुध	03/04/2056
केतु	23/04/2056
शुक्र	18/06/2056
सूर्य	06/07/2056
चंद्र	03/08/2056

गुरु - राहु	
03/08/2056	
28/12/2058	
राहु	12/12/2056
गुरु	08/04/2057
शनि	25/08/2057
बुध	27/12/2057
केतु	16/02/2058
शुक्र	13/07/2058
सूर्य	25/08/2058
चंद्र	06/11/2058
मंगल	28/12/2058

शनि - शनि	
28/12/2058	
30/12/2061	
शनि	19/06/2059
बुध	22/11/2059
केतु	25/01/2060
शुक्र	26/07/2060
सूर्य	19/09/2060
चंद्र	20/12/2060
मंगल	22/02/2061
राहु	06/08/2061
गुरु	30/12/2061

शनि - बुध	
30/12/2061	
08/09/2064	
बुध	19/05/2062
केतु	15/07/2062
शुक्र	26/12/2062
सूर्य	13/02/2063
चंद्र	06/05/2063
मंगल	02/07/2063
राहु	27/11/2063
गुरु	06/04/2064
शनि	08/09/2064

शनि - केतु	
08/09/2064	
18/10/2065	
केतु	02/10/2064
शुक्र	09/12/2064
सूर्य	29/12/2064
चंद्र	01/02/2065
मंगल	24/02/2065
राहु	26/04/2065
गुरु	19/06/2065
शनि	22/08/2065
बुध	18/10/2065

शनि - शुक्र	
18/10/2065	
18/12/2068	
शुक्र	29/04/2066
सूर्य	26/06/2066
चंद्र	30/09/2066
मंगल	07/12/2066
राहु	29/05/2067
गुरु	30/10/2067
शनि	01/05/2068
बुध	11/10/2068
केतु	18/12/2068

शनि - सूर्य	
18/12/2068	
30/11/2069	
सूर्य	04/01/2069
चंद्र	02/02/2069
मंगल	22/02/2069
राहु	15/04/2069
गुरु	01/06/2069
शनि	26/07/2069
बुध	13/09/2069
केतु	03/10/2069
शुक्र	30/11/2069